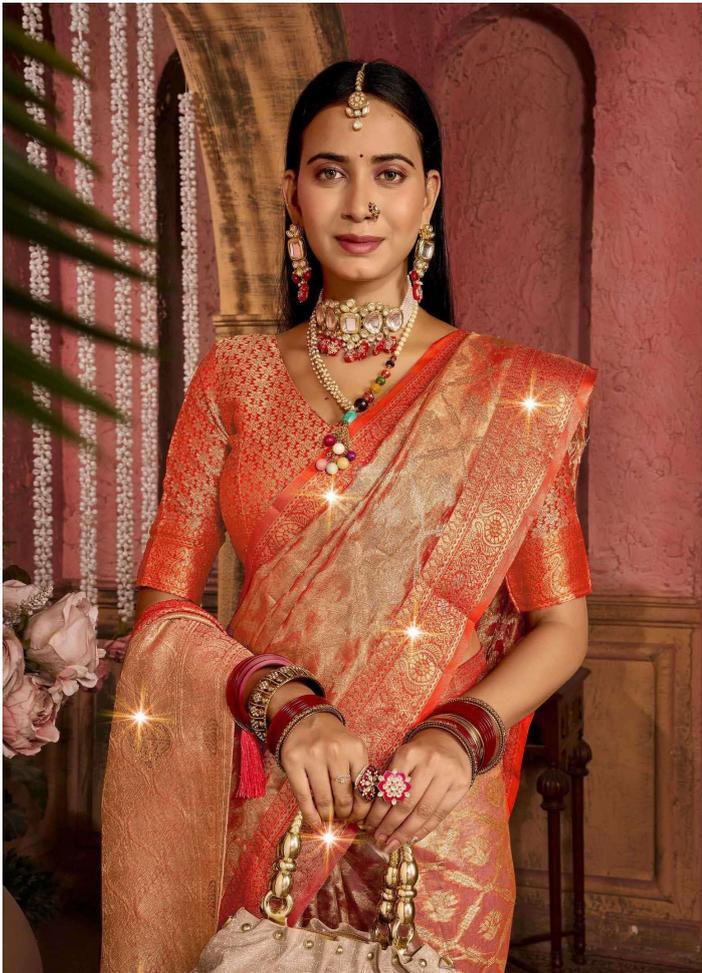


Saroj



CODE | 1001 |



श्रीगणेशायनमः ॥ ईशानिंद्रियैः सुहृद्भिः प्रसूतमिन्द्रियैः
सुधासोमैः सुश्रितं पूर्यतिः शक्रविंशतिर्ब्रह्मणोः संपुत्रस्य
सुप्रोत्सवितोः प्रसिद्धस्य सुश्रुतौ सुप्रसिद्धौ सुप्रसिद्धौ
संभ्रमस्तं सुहृद्भिः सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं
विंशतिः सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं
सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं
सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं
सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं सुश्रुतं



CODE | 1001 |





CODE | 1001 |





CODE| 1001 |



CODE| 1002 |



CODE| 1003 |



CODE| 1004 |



CODE| 1005 |



CODE| 1006 |